



**NEERAJ®**

# भूगोल (Geography)

**N-316**

**Chapter wise Reference Book  
Including MCQ's  
& Many Solved Sample Papers**

*Based on*

**N.I.O.S. Class – XII**  
National Institute of Open Schooling

*By: Harmeet Kaur*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**  
*(Publishers of Educational Books)*

---

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: [info@neerajbooks.com](mailto:info@neerajbooks.com)

Website: [www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

---

**MRP ₹ 380/-**

Content  
**भूगोल**  
**( GEOGRAPHY )**

***Based on:* NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – XII**

Sample Question Paper–1 (Solved) .....	1-6
Sample Question Paper–2 (Solved) .....	1-6
Sample Question Paper–3 (Solved) .....	1-6
Sample Question Paper–4 (Solved) .....	1-7
Sample Question Paper–5 (Solved) .....	1-3

<b>S.No.</b>	<b>Chapterwise Reference Book</b>	<b>Page</b>
--------------	-----------------------------------	-------------

**मॉड्यूल 1 : एक अनुशासन के रूप में भूगोल का अध्ययन**  
**(THE STUDY OF GEOGRAPHY AS A DISCIPLINE)**

1. भूगोल की प्रकृति और विषय-वस्तु..... 1  
(Nature and Subject-Matter of Geography)

**मॉड्यूल 2 : पृथ्वी की गतिशील और भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ**  
**(DYNAMIC AND GEOMORPHIC PROCESSES OF THE EARTH)**

2. अन्तर्जात बल (Endogenic Forces) ..... 11
3. बहिर्जात बल तथा उनके द्वारा उत्पन्न भू-आकृतियाँ ..... 20  
(Exogenic Forces and Their Resultant Landforms)
4. बहता जल, हिमानी, पवन और समुद्री तरंगें ..... 26  
(Running Water, Moving Ice, Wind and Sea Waves)

**मॉड्यूल 3 : पृथ्वी पर जलमण्डल (THE DOMAIN OF THE WATER ON THE EARTH)**

5. जल चक्र और महासागर (Hydrological Cycle and Ocean) ..... 33

**मॉड्यूल 4 : वायुमंडल की गतिशीलता (DYNAMICS OF ATMOSPHERE)**

6. संघटन और संरचना : सूर्यातप (Structure and Composition: Insolation) ..... 41
7. वायुमंडलीय दाब और पवनें (Atmospheric Pressure and Winds) ..... 49
8. आर्द्रता और वर्षण (Humidity and Precipitation) ..... 58
9. जलवायु और जलवायु परिवर्तन (Climate and Climate Change) ..... 65

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
<b>मॉड्यूल 5 : जैव भूगोल और जैव विविधता (BIOGEOGRAPHY AND BIODIVERSITY)</b>		
10.	जैवमंडल, जीवोम और जैव विविधता (Biosphere, Biomes and Biodiversity) .....	74
<b>मॉड्यूल 6 : भारत का भौतिक भूगोल (PHYSICAL GEOGRAPHY OF INDIA)</b>		
11.	भौतिक विन्यास (Physical Settings) .....	83
12.	जलवायु (Climate) .....	90
13.	प्राकृतिक संकट और आपदाएं (Natural Hazards and Disasters) .....	97
<b>मॉड्यूल 7 : प्राकृतिक संसाधन, उपयोग तथा प्रबंधन (NATURAL RESOURCES, UTILISATION AND MANAGEMENT)</b>		
14.	भूमि और मृदा संसाधन (Land and Soil Resources) .....	109
15.	वन और जैव विविधता (Forests and Biodiversity) .....	115
16.	जल संसाधन (Water Resources) .....	125
<b>मॉड्यूल 8 : भारत का आर्थिक भूगोल (ECONOMIC GEOGRAPHY OF INDIA)</b>		
17.	कृषि और खाद्य सुरक्षा (Agriculture and Food Security) .....	132
18.	खनिज और ऊर्जा संसाधन (Mineral and Energy Resources) .....	140
19.	प्रमुख उद्योग और औद्योगिक संकुल (Major Industries and Industrial Complexes) .....	148
20.	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई), परिवहन, संचार और व्यापार (Foreign Direct Investment (FDI), Transport, Communication and Trade) .....	157
<b>मॉड्यूल 9 : भारत में मानव संसाधन विकास (HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT IN INDIA)</b>		
21.	जनसंख्या वृद्धि और वितरण (Population Growth and Distribution) .....	164
22.	जनसंख्या संघटन (Population Composition) .....	170
23.	मानव विकास (Human Development) .....	177
<b>मॉड्यूल 10 : समकालीन मुद्दे तथा चुनौतियाँ (CONTEMPORARY ISSUES AND CHALLENGES)</b>		
24.	सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) (Sustainable Development Goals (SDGs)) .....	181
25.	पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता (Environment, Health and Sanitation) .....	188

**Sample Preview  
of the  
Solved  
Sample Question  
Papers**

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

# Solved Sample Paper - 1

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

## भूगोल - XII ( Geography )

N-316

समय : 3 घंटे ]

[ कुल अंक : 100

नोट : (i) इस प्रश्न पत्र में 46 प्रश्न हैं। (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं। (क) प्रश्न सं. 1 से 16 - बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) जिसमें प्रत्येक 1 अंक का है। (ख) प्रश्न सं. 17-20 वस्तुनिष्ठ प्रकार के मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। (ग) प्रश्न सं. 21 से 30 - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न प्रत्येक 2 अंक के हैं (प्रत्येक 1 अंक के 2/4 उप-भागों के साथ)। (घ) प्रश्न सं. 31 से 40 - अति लघु प्रश्न प्रत्येक 2 अंक के हैं जिनका उत्तर 30 से 50 शब्दों की सीमा में देना है (प्रश्न सं. 36-37 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं)। (ङ) प्रश्न सं. 41 से 45 - लघु उत्तरीय प्रश्न 50 से 80 शब्दों की सीमा में। (च) प्रश्न सं. 46 - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक 5 अंक के हैं, जिनका उत्तर 80 से 120 शब्दों की सीमा में देना है

प्रश्न 1. भूगोल को अक्सर निम्नलिखित की कला के रूप में माना जाता है-

- (क) ग्राफ बनाना और उसका अध्ययन करना  
(ख) चार्ट बनाना और उसका अध्ययन करना  
(ग) मानचित्र बनाना और उसका अध्ययन करना  
(घ) लूप बनाना और उसका अध्ययन करना

उत्तर-(ग) मानचित्र बनाना और उसका अध्ययन करना।

प्रश्न 2. वर्तमान में उपग्रह चित्रों का उपयोग करके ..... उपकरणों का उपयोग करके मानचित्र बनाए जा सकते हैं।

- (क) भौगोलिक भागीदारी प्रणाली (जीआईएस)  
(ख) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)  
(ग) भौगोलिक संपर्क प्रणाली (जीआईएस)  
(घ) भौगोलिक निवेश प्रणाली (जीआईएस)

उत्तर-(ख) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)।

प्रश्न 3. जीआईएस का अर्थ है-

- (क) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)  
(ख) भौगोलिक भागीदारी प्रणाली (जीआईएस)  
(ग) भौगोलिक संपर्क प्रणाली (जीआईएस)  
(घ) भौगोलिक निवेश प्रणाली (जीआईएस)

उत्तर-(क) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)।

प्रश्न 4. .... शब्द का उपयोग हम्बोल्ट ने बाह्य अंतरिक्ष और पृथ्वी की प्रकृति का वर्णन करने के लिए किया था।

- (क) कोमोस (ख) मोस्कोस  
(ग) कोसोम (घ) कोसमोस

उत्तर-(क) कोसमोस।

प्रश्न 5. .... वैज्ञानिक ज्ञान की एक शाखा है जो भूकंप और पृथ्वी के विभिन्न भागों और गहराई से फैलने वाली इसकी तरंगों का अध्ययन करती है।

- (क) ज्वालामुखी विस्फोट (ख) पृथ्वी की पपड़ी  
(ग) महाद्वीपीय बहाव (घ) भूकंप विज्ञान

उत्तर-(घ) भूकंप विज्ञान।

प्रश्न 6. भूकंप तरंगों को एक उपकरण द्वारा रिकॉर्ड किया जाता है जिसे आमतौर पर इस नाम से जाना जाता है-

- (क) सीस्मोग्राफ (ख) रिएक्टर स्केल  
(ग) सतही तरंगें (घ) बॉडी तरंगें

उत्तर-(क) सीस्मोग्राफ।

प्रश्न 7. भूकंप के समय उत्पन्न तरंगें विकीर्ण होती हैं-

- (क) एक दिशा (ख) सभी दिशाएँ  
(ग) बहुआयामी (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(ख) सभी दिशाएँ।

प्रश्न 8. भूकंप के केंद्र से ..... कोणीय दूरी से परे तरंगें नहीं पाई जाती हैं।

- (क) 1020 (ख) 1030  
(ग) 1040 (घ) 1050

उत्तर-(क) 1050

प्रश्न 9. .... पृथ्वी की सतह पर सबसे विस्मयकारी भू-आकृति हैं।

- (क) पर्वत (ख) पठार  
(ग) मैदानी भाग (घ) पृथ्वी की सतह

उत्तर-(क) पर्वत।

प्रश्न 10. "पृथ्वी की सतह की एक प्राकृतिक ऊँचाई जो आसपास के स्तर से कमोबेश अचानक उठती है और एक ऊँचाई प्राप्त करती है जो आसन्न ऊँचाई के सापेक्ष प्रभावशाली या उल्लेखनीय होती है।"

- (क) ऊँचा (ख) पर्वत  
(ग) पठार (घ) मैदानी भाग

उत्तर-(ख) पर्वत।

प्रश्न 11. पर्वत पृथ्वी की पपड़ी का एक ऊँचा हिस्सा होता है, जिसमें आमतौर पर खड़ी भुजाएँ होती हैं जो महत्वपूर्ण उजागर आधारशिला दिखाती हैं, जो कुल पृथ्वी की सतह के लगभग ..... भाग को कवर करती हैं।

2 / NEERAJ : भूगोल (N.I.O.S.-XII) (SOLVED SAMPLE PAPER-1)

- (क) 27% (ख) 28%  
(ग) 29% (घ) 30%

उत्तर—(क) 27%

प्रश्न 12. ग्लेशियर चलती या बहती बर्फ के मोटे पिंड होते हैं, जिन्हें कभी-कभी कहा जाता है—

- (क) महाद्वीपीय ग्लेशियर (ख) बर्फ की नदियाँ  
(ग) घाटी ग्लेशियर (घ) पर्वतीय ग्लेशियर

उत्तर—(ख) बर्फ की नदियाँ।

प्रश्न 13. उन क्षेत्रों में जहाँ तापमान हमेशा हिमांक बिंदु से नीचे रहता है, वर्षा निम्न रूप में होती है—

- (क) घाटी ग्लेशियर (ख) हिमपात  
(ग) महाद्वीपीय ग्लेशियर (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(ख) हिमपात।

प्रश्न 14. भूमि के विशाल क्षेत्रों को ढकने वाली मोटी बर्फ की चादरें कहलाती हैं—

- (क) पर्वतीय ग्लेशियर (ख) महाद्वीपीय ग्लेशियर  
(ग) लटकती घाटी (घ) दरारें

उत्तर—(क) पर्वतीय ग्लेशियर।

उत्तर—

प्रश्न 15. ग्लेशियर के दोनों ओर जमा होने वाले मोरेन को कहा जाता है—

- (क) टर्मिनल मोरेन (ख) पार्श्व मोरेन  
(ग) औसत दर्जे का मोरेन (घ) भू-मोरेन

उत्तर—(ख) पार्श्व मोरेन।

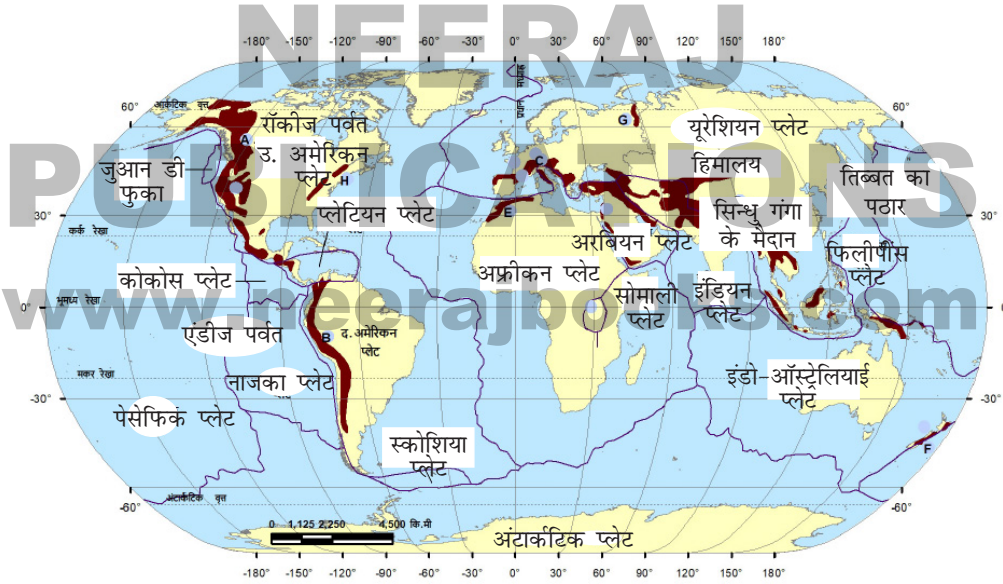
प्रश्न 16. घाटियाँ नदियों के ऊपरी भाग में कटाव क्रिया द्वारा निर्मित होती हैं। इस स्तर पर पार्श्विक कटाव की तुलना में ऊर्ध्वाधर कटाव अधिक प्रबल होता है।

- (क) 'V' आकार की घाटियाँ  
(ख) गॉर्ज और घाटियाँ  
(ग) कोर्स  
(घ) ग्लेशियर

उत्तर—(क) 'V' आकार की घाटियाँ।

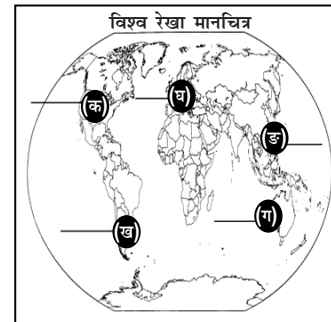
प्रश्न 17. विश्व के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को ढूँढ़ें और लेबल करें।

- (क) रॉकीज और एंडीज पर्वत,  
(ख) तिब्बती पठार,  
(ग) हिमालय,  
(घ) इंडो-गंगा का मैदान,  
(ङ) माउंट फूजीयामा



प्रश्न 18. विश्व के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर क, ख, ग, घ और ङ के रूप में दर्शाई गई पाँच भौगोलिक विशेषताओं की पहचान करें। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से उनके पास खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखें—

- (क) एक औद्योगिक क्षेत्र  
(ख) एक प्रमुख बंदरगाह  
(ग) एक अंतरमहाद्वीपीय रेलवे का टर्मिनल स्टेशन  
(घ) एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा  
(ङ) एक मेगा सिटी



# **Sample Preview of The Chapter**

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

# भूगोल ( Geography )

## भूगोल की प्रकृति और विषय-वस्तु ( Nature and Subject-Matter of Geography )

1

### परिचय

ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में यूनानी विद्वान इराटोस्थनीज ने पहली बार 'भूगोल' शब्द का प्रयोग किया। भूगोल यानी जियोग्राफी का शाब्दिक अर्थ पृथ्वी के धरातल को व्यक्त करना है। भूगोल भौतिक और प्राकृतिक व सामाजिक विज्ञान है। समय के साथ भूगोल की प्रकृति में भी परिवर्तन हुआ। यह विश्लेषण, संश्लेषण और विवरण से संबंधित है। जैसे कि भूगोल का दैनिक जीवन में उपयोग, विकास, मानव व पर्यावरण के संबंध और प्रभाव की व्याख्या, क्रमबद्ध व प्रादेशिक उपागम, विश्लेषणात्मक तकनीकें, विभिन्न शाखाओं व विषय-वस्तु की पहचान आदि। हमें ज्ञात है कि पृथ्वी का धरातल चलायमान व परिवर्तनीय है, इसलिए इसके प्राकृतिक स्वरूप मंद गति से और मानवीय स्वरूप तीव्र गति से परिवर्तित होते हैं। यह किसी क्षेत्र की जलवायु, मिट्टी और अन्य कारकों के परिवर्तन के कारण होता है। हमारे भौतिक परिदृश्य को विभिन्न कारक प्रभावित करते हैं, जैसे-सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय। सामान्य रूप से भूगोल को मानचित्र बनाने और उनका अध्ययन करने की कला के रूप में जाना जाता है। वर्तमान समय में विभिन्न उपकरणों द्वारा मानचित्र तैयार किए जाते हैं, जैसे-भौगोलिक सूचना प्रणाली, कंप्यूटर आदि। भूगोलवेत्ता गतिविधियों के स्थान का अध्ययन कर ऐसे स्थानों को भू-आकृतियों, जनसंख्या, घर के प्रकार और कृषि के वितरण के आधार पर व्यक्त करते हैं। भूगोल का अध्ययन कई पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान करने में सहायक होता है। विभिन्न भौगोलिक अवधारणाएँ हमारे दैनिक निर्णयों को विभिन्न तरीकों से प्रभावित करती हैं।

भूगोल के इतिहास से भूगोल को विभिन्न काल-खंडों द्वारा परिभाषित किया गया है। प्राचीन ग्रीस में भौगोलिक कार्य द्वारा

गणितीय परंपरा और क्षेत्रीय दृष्टिकोण का पालन किया गया। हम्बोल्ट द्वारा बाहरी अंतरिक्ष और पृथ्वी की प्रकृति का वर्णन करने के लिए कोसमोस शब्द का उपयोग किया गया। एक महत्वपूर्ण स्कूल द्वारा भूगोल को मानव और पर्यावरण के बीच संबंधों के अध्ययन के रूप में परिभाषित किया गया। क्षेत्रीय दृष्टिकोण के बाद, तर्क-वर्तिक और मात्रात्मक तरीकों का प्रयोग किया गया। विभिन्न दृष्टिकोणों के अध्ययन द्वारा भूगोल को विशाल बनाया गया। इन तरीकों में शामिल थे-कल्याणकारी, मौलिक, मानवतावादी, आधुनिकतावादी और उत्तर-आधुनिकतावादी दृष्टिकोण।

प्राचीन काल के प्रमुख भूगोलवेत्ता हैं-हेरोडोटस, थेलस, अरस्तू और इराटोस्थनीज। पूर्व-आधुनिक काल के प्रमुख भूगोलवेत्ता वेरिनियस, कांट, हम्बोल्ट और रिटर से प्रसिद्ध अन्वेषक और यात्री थे। क्रिस्टोफर कोलंबस, वास्को डी गामा, थॉमस कुक और फर्डिनेंड मैगलन। यह अवधि मानचित्र कला के विकास, खोज और भूगोल को वैज्ञानिक विषय के रूप में विकसित करने की अवधि रही। आधुनिक काल 19वीं शताब्दी का उत्तरार्ध माना गया है। इस काल के प्रमुख भूगोलवेत्ता थे-रिटर, हम्बोल्ट और रैटजेल।

अत्याधुनिक काल के प्रमुख भूगोलवेत्ता क्षेत्रीय विभेदन से संबंधित विज्ञान के रूप में भूगोल को वर्णित करते हैं, जैसे-हार्टशोर्न, अमेरिकी और यूरोपीय भूगोलवेत्ता।

विज्ञान के रूप में भूगोल प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को व्यक्त करता है। भूगोल का क्षेत्र व्यापक है। यह दैनिक जीवन में यात्रा आवास और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में सहायक है। साथ ही पर्यावरणीय और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों तक व्यापक है। भूगोल के अध्ययन के दो उपागम हैं-व्यवस्थित उपागम तथा क्षेत्रीय उपागम।

व्यवस्थित उपागम को जर्मन भूगोलवेत्ता हम्बोल्ट (1769-1859) द्वारा विकसित किया गया। इसमें विषय का दर्शन और मात्रात्मक



तकनीकों का उपयोग किया गया है, जो कि विषय को समझने, घटनाओं के विश्लेषण और संश्लेषण में सहायक है। व्यवस्थित भूगोल की मुख्य शाखाएं हैं—भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, जैव भूगोल और पर्यावरण भूगोल, भौगोलिक पद्धति और तकनीक। भौतिक भूगोल वायुमंडल, जलमंडल और स्थलमंडल, जीवमंडल आदि पृथ्वी प्रणालियों से संबंधित है। मानव भूगोल सामाजिक, जनसंख्या, आर्थिक और राजनीतिक मानवीय प्रणालियों से संबंधित है। जैव भूगोल और पर्यावरण भूगोल में पौधे, जीव और पर्यावरणीय प्रणालियां शामिल हैं। भौगोलिक पद्धति और तकनीकों में शामिल हैं—विभिन्न पद्धतियां और तकनीकें।

क्षेत्रीय उपागम के प्रमुख भूगोलवेत्ता थे—विडाल डी ला ब्लाचे, कार्ल रिटर, अल्फ्रेड हेटनर और रिचर्ड हार्टशोर्न आदि। यह उपागम स्थानिक छाप से संबंधित है, जैसे स्थान के विभिन्न कारक। क्षेत्रीय उपागम की प्रमुख शाखाएं हैं—क्षेत्रीय अध्ययन, क्षेत्रीय, नियोजन विकास और क्षेत्रीय विश्लेषण। क्षेत्रीय अध्ययन में छोटे या बड़े स्तर पर किसी क्षेत्र का अध्ययन किया जाता है। क्षेत्रीय नियोजन में किसी गाँव, शहर या देश की योजना विभिन्न मापकों पर बनाई जाती है। इसी प्रकार किसी क्षेत्र के विकास और विश्लेषण में यह उपागम स्थानिक असमानताओं को समझने के साथ विवरण, विश्लेषण और संश्लेषण को व्यक्त करता है।

भूगोल की पद्धतियों में शामिल हैं—ग्लोब, मानचित्र, आरेख, स्थल रूपों के मॉडल और स्थानिक विश्लेषण पद्धतियां। इसके अतिरिक्त अन्य पद्धतियां और तकनीकें हैं—मानचित्र कला, भौगोलिक सूचना प्रणाली, मात्रात्मक पद्धति, क्षेत्र सर्वेक्षण और पद्धतियां आदि।

मानचित्र कला यानी कार्टोग्राफी पारंपरिक रूप से कलम, स्याही और कागज का उपयोग कर बनाई जाती थी। बाद में कंप्यूटर का प्रयोग व्यापक रूप से किया गया। वाणिज्यिक गुणवत्ता वाले मानचित्रों के लिए सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है, जैसे—सीएडी, जीआईएस और जीपीएस। इनमें से जीआईएस तकनीक वैश्विक बदलाव की प्रक्रिया को समझने के प्रयास में महत्वपूर्ण उपकरण साबित हुई है। भूगोल में मात्रात्मक पद्धति संख्यात्मक पद्धति से संबंधित है। ये विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों को दर्शाती है। क्षेत्र सर्वेक्षण प्राथमिक और द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। जैसे किसी क्षेत्र यानी गाँव के लोगों का आकलन (जनगणना)। भूगोल की विभिन्न शाखाएं हैं, जैसे—खगोलीय भूगोल, भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मृदा भूगोल या पेडोलॉजी, जल विज्ञान और जल संसाधन, जैव भूगोल और पर्यावरणीय भूगोल। मानव भूगोल में शामिल हैं—नृविज्ञान, सांस्कृतिक भूगोल, सामाजिक भूगोल, स्वास्थ्य भूगोल, जनसंख्या भूगोल, आवासीय भूगोल, आर्थिक भूगोल, संसाधन भूगोल, कृषि भूगोल, औद्योगिक

भूगोल, परिवहन भूगोल, राजनीतिक भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल आदि। मानव भूगोल की प्रत्येक शाखा मानवीय गतिविधियों से संबंधित है।

भूगोल एक व्यापक विषय है, जो कि अन्य विषयों से संबंधित है, जैसे—गणित, प्राकृतिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान। यह कई प्रकार की घटनाओं का अध्ययन करता है, जो कि इसके अन्य विषयों की शाखाओं द्वारा अध्ययन किया जाता है।

### पाठगत प्रश्न-1.1

प्रश्न 1. भूगोल क्या है?

उत्तर—भूगोल प्राचीन भू-विज्ञानों में से एक विज्ञान है, जो कि सभी प्रकार की भौतिक और मानवीय घटनाओं के मध्य होने वाली अन्योन्य क्रियाओं और उनमें पैदा होने वाले परिदृश्यों का अध्ययन करता है। इस प्रकार भूगोल का संबंध मानव और प्राकृतिक घटनाओं के मध्य क्यों, कैसे और कहाँ घटने वाली घटनाओं का आपसी जुड़ाव के अध्ययन से है।

प्रश्न 2. पृथ्वी का धरातल क्यों बदल रहा है?

उत्तर—पृथ्वी का धरातल गतिमान है। इसके विभिन्न कारकों के बीच निरंतर अन्योन्यक्रिया होने के कारण धरातल बदल रहा है। पृथ्वी के प्राकृतिक स्वरूप मानवीय रचनाओं की अपेक्षा मंद गति से बदलते हैं। जैसे—किसी क्षेत्र की जलवायु, मिट्टी या वृक्षों के विकास को नियंत्रित करने वाले कारकों में बदलाव आना।

प्रश्न 3. भूगोल शब्द सर्वप्रथम किसने दिया?

उत्तर—भूगोल शब्द सर्वप्रथम यूनानी विद्वान इराटोस्थनीज ने ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में दिया।

प्रश्न 4. यूनानियों द्वारा भूगोल के अध्ययन के लिए प्रयोग की जाने वाली दो परंपराएं कौन-सी थीं?

उत्तर—यूनानियों द्वारा भूगोल के अध्ययन के लिए प्रयोग की जाने वाली दो परंपराएं निम्नलिखित थीं—

1. गणितीय परंपराएं तथा
2. यात्रा और क्षेत्रीय कार्य द्वारा भौगोलिक जानकारी एकत्रित करना।

### पाठगत प्रश्न-1.2

प्रश्न 1. क्रमबद्ध भूगोल की मुख्य शाखाएं कौन-कौन सी हैं?

उत्तर—क्रमबद्ध भूगोल की मुख्य शाखाएं निम्नलिखित हैं—

1. भौतिक भूगोल, 2. मानव भूगोल, 3. जैव भूगोल, 4. पर्यावरण भूगोल तथा 5. भौगोलिक पद्धति और तकनीक।

प्रश्न 2. क्षेत्रीय भूगोल की मुख्य शाखाओं के नाम लिखिए।

उत्तर—क्षेत्रीय भूगोल की मुख्य शाखाएं निम्नलिखित हैं—

1. क्षेत्रीय अध्ययन, 2. क्षेत्रीय नियोजन, 3. क्षेत्रीय विकास तथा 4. क्षेत्रीय विश्लेषण।

### पाठगत प्रश्न-1.3

**प्रश्न 1. भूगोल की दो शाखाएं कौन-सी हैं?**

**उत्तर**—भौतिक भूगोल की दो शाखाएं निम्नलिखित हैं—

1. भौतिक भूगोल तथा 2. मानवीय भूगोल।

**प्रश्न 2. भौगोलिक अध्ययन के उपकरणों और तकनीकों के नाम लिखिए?**

**उत्तर**—भौगोलिक अध्ययन के उपकरणों और तकनीकों के नाम निम्नलिखित हैं—

1. मानचित्र कला (कार्टोग्राफी), 2. मात्रात्मक विधियाँ, 3. कंप्यूटर एडेड डेटा मैनेजमेंट, 4. भौगोलिक सूचना प्रणाली, 5. ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम तथा 6. क्षेत्र सर्वेक्षण और पद्धतियाँ।

**प्रश्न 3. नृविज्ञान से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर**—क्षेत्रीय संदर्भ में नृविज्ञान नस्लीय घटनाओं से संबंधित है। इसके तहत मनुष्य के अतीत और वर्तमान के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। नृविज्ञान के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू के तहत मानदंडों और मूल्यों का अध्ययन किया जाता है। नृविज्ञान मानवता का व्यवस्थित अध्ययन है।

**प्रश्न 4. सामाजिक और सांस्कृतिक भूगोल में क्या अंतर है?**

**उत्तर**—1. सामाजिक भूगोल क्षेत्रीय दृष्टिकोण से सामाजिक घटनाओं के विश्लेषण से संबंधित है। जबकि सांस्कृतिक भूगोल क्षेत्रीय दृष्टिकोण से सांस्कृतिक घटनाओं के विश्लेषण से संबंधित है।

2. सामाजिक भूगोल के अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र हैं—गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका आदि। जबकि सांस्कृतिक भूगोल के प्रमुख क्षेत्र हैं—जाति, नस्ल, धर्म, बोली, भाषा, कला और शिल्प, साहित्य, लोक नृत्य, संगीत, व्यंजन, सामाजिक मानदंड, व्यवहार और स्वरूप का प्रसार।

**प्रश्न 5. भूगोल को एक एकीकृत विषय क्यों माना गया है?**

**उत्तर**—भूगोल एक विशिष्ट प्रकार की घटनाओं की अपेक्षा कई प्रकार की घटनाओं का अध्ययन करता है। इसका प्रत्येक विषय मुख से ही विभिन्न शाखाओं और विषयों द्वारा अध्ययन करता है। भूगोल का अन्य विषयों के साथ घनिष्ठ संबंध है, जैसे—गणित, प्राकृतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान। भूगोल एकीकृत तकनीक द्वारा अन्य विषयों के विश्लेषण और संश्लेषण का कार्य करता है। यह विभिन्न घटनाओं का अध्ययन करता है, जो पहले से ही अन्य विषयों की शाखाओं के माध्यम से अध्ययन की जाती है, इसलिए भूगोल को एक एकीकृत विषय माना गया है।

### पाठगत प्रश्न

**प्रश्न 1. भूगोल शब्द को परिभाषित कीजिए?**

**उत्तर**—ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में भूगोल शब्द का प्रयोग यूनानी विद्वान इराटोस्थनीज द्वारा किया गया था। भूगोल यानी जियोग्राफी शब्द दो शब्दों जियो और ग्राफी का सुमेल है। यहां जियो का अर्थ है पृथ्वी और ग्राफी का अर्थ है व्यक्त करना या वर्णन करना। पृथ्वी के धरातल का वर्णन करना भूगोल है। भूगोल शब्द उस विज्ञान को दर्शाता है, जिसके तहत पृथ्वी के ऊपरी स्वरूप और प्रकृति विभागों का अध्ययन किया जाता है। यह पृथ्वी की सतह पर विभिन्न क्षेत्रों, उनके विविध वातवरण और उनके बीच की अंतःक्रियाओं का अध्ययन करता है। भूगोल शब्द का सामान्य अर्थ है पृथ्वी का वर्णन करना। सामान्य शब्दों में, भूगोल क्षेत्रों और लोगों तथा उनके पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन है। यह भूमि, जल, वायु और जीवित चीजों के बारे में है और विशेष लोगों के बारे में है। भूगोलवेत्ता हमारे विश्व को आकार देने वाली घटनाओं, विचारों और प्रक्रियाओं के बारे में क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य देते हैं।

**प्रश्न 2. भूगोल को सभी विज्ञानों की जननी क्यों कहा जाता है?**

**उत्तर**—भूगोल सबसे प्राचीन वैज्ञानिक विषयों में से एक है, इसलिए इसे सभी विज्ञानों की जननी कहा जाता है। भूगोल की जड़ें प्रारंभिक ग्रीक विद्वानों के प्रयासों और कार्यों से संबंधित हैं। ये विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों से संबंधित हैं, जैसे—जीव विज्ञान, नृविज्ञान गणित, भू-विज्ञान, खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान और अन्य। इसमें पृथ्वी के समुद्री, पर्वतीय क्षेत्रीय, वातावरण और पर्यावरण से जुड़ी जानकारी शामिल होती है, जो कि प्रत्येक विषय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। भूगोल यह समझने का प्रयास करता है कि चीजें कहाँ और क्यों पाई जाती हैं और कैसे विकसित होती हैं। समय के साथ ये कैसे परिवर्तित होती हैं। भूगोल को संश्लेषण का विज्ञान भी कहा गया है, क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र, क्षेत्र के भीतर भौतिक और मानवीय घटनाओं के संश्लेषण का प्रयास किया जाता है। यह अन्य विज्ञानों से प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण और संश्लेषण करता है, जो कि मानवीय क्षेत्रों के रूप में पृथ्वी का अध्ययन करते हैं। भूगोल निजी या सार्वजनिक नीतियों के निर्धारण में अपनी विशेष पृष्ठभूमि प्रदान करता है, जिसके आधार पर समस्याओं को सुविधापूर्वक सुलझाया जा सकता है। यह अन्य विज्ञानों के विवरण के साथ-साथ विश्लेषण, संश्लेषण और भविष्यवाणी से भी संबंधित है। इस प्रकार प्राचीन भू-विज्ञान होने के कारण भूगोल को सभी विज्ञानों की जननी कहा जाता है।

**प्रश्न 3. भूगोल के दो आधारभूत उपागम कौन-से हैं?**

**उत्तर**—भूगोल के दो आधारभूत उपागम निम्नलिखित हैं—

1. व्यवस्थित उपागम तथा 2. क्षेत्रीय उपागम।

1. **व्यवस्थित उपागम**—व्यवस्थित उपागम उस अध्ययन को कहा गया है, जो वैश्विक स्तर पर विशिष्ट प्राकृतिक या मानवीय घटनाओं से संबंधित हो। वे घटनाएं जो पृथ्वी की सतह पर क्षेत्रीय स्वरूपों और संरचनाओं को जन्म देती हैं, व्यवस्थित उपागम के तहत आती हैं। व्यवस्थित उपागम की अवधारणा को जर्मन भूगोलवेत्ता हम्बोल्ट (1769-1859) द्वारा उत्पन्न किया गया। व्यवस्थित उपागम विषय का दर्शन और मात्रात्मक तकनीकों के उपयोग से संबंधित है, जो कि विषय को समझने, घटनाओं के विश्लेषण और संश्लेषण में सहायक होता है। व्यवस्थित भूगोल की प्रमुख शाखाएं हैं—भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, जैव भूगोल, पर्यावरण भूगोल, भौगोलिक पद्धति और तकनीकें।

2. **क्षेत्रीय उपागम**—क्षेत्रीय उपागम के तहत किसी क्षेत्र की एक या सभी व्यवस्थित भौगोलिक गतिविधियों की क्षेत्रीय छाप का अध्ययन किया जाता है। ये क्षेत्र के एक कारक पर आधारित हो सकते हैं, जैसे—स्थलरूप, वर्षा, वनस्पति, प्रति व्यक्ति आय आदि। कई प्रशासनिक इकाइयों को भी क्षेत्रों के रूप माना जा सकता है, जैसे—राज्य, जिला, तहसील आदि। क्षेत्र दो या दो से अधिक कारकों के सहयोग से गठित बहुकारक क्षेत्र भी हो सकते हैं। क्षेत्रीय उपागम के समर्थक थे—विद्वान डी ला ब्लाचे, कार्ल रिटर, अल्फ्रेड हेटनर और रिचर्ड हार्टशोर्न। क्षेत्रीय उपागम की प्रमुख शाखाएं हैं। क्षेत्रीय अध्ययन, क्षेत्रीय नियोजन, क्षेत्रीय विकास तथा क्षेत्रीय विश्लेषण। क्षेत्रीय उपागम के तहत क्षेत्र के सभी भौगोलिक तत्वों का एक इकाई के रूप में अध्ययन किया जाता है। क्षेत्र को भौगोलिक विशिष्टता के आधार पर अन्य क्षेत्रों यानी उपक्षेत्रों में वर्गीकृत किया जाता है। इसमें किसी क्षेत्र की घटनाओं का समग्र रूप से अध्ययन किया जाता है।

**प्रश्न 4. भूगोल के विकास के चार चरण कौन-से हैं?**

**उत्तर**—भूगोल के विकास के चार चरण निम्नलिखित हैं—1. प्राचीन काल, 2. पूर्व-आधुनिक काल, 3. आधुनिक काल तथा 4. अत्याधुनिक काल।

1. **प्राचीन काल**—भूगोल प्राचीन काल से ही अत्यंत उपयोगी विषय रहा है। विभिन्न सभ्यताओं ने प्राचीन काल से ही अन्य स्थानों के वर्णन और अध्ययन में उत्सुकता दिखाई है। पृथ्वी के भौतिक भाग को समझने के लिए प्राचीन काल के रिकार्ड, मानचित्र और खगोलीय माप मौजूद हैं, जो विद्वानों की इस विषय में रुचि को दर्शाते हैं। प्राचीन काल के प्रमुख भूगोलवेत्ता हैं—हेरोडोटस, थैल्स, अरस्तू और इराटोस्थनीज।

2. **पूर्व-आधुनिक काल**—17वीं शताब्दी की शुरुआत में कई लोग अन्वेषक और यात्री रहे हैं, जिनके द्वारा एक नए वैज्ञानिक भूगोल की शुरुआत की गई, जैसे—क्रिस्टोफर कोलंबस, वासको डी गामा, फर्डिनेंड मैगलन और थॉमस कुक। हालांकि आरंभिक भूगोलवेत्ताओं की यात्रा व अन्वेषण हमें विश्व की भौतिक और

सांस्कृतिक प्रकृति के बारे में अध्ययन कराते हैं। यह अवधि 15वीं से 18वीं शताब्दी तक की भौगोलिक जानकारी प्रदान करती है। मानचित्र काल के विकास और नई पृथ्वी की खोज करने वाले और भूगोल को एक वैज्ञानिक विषय के रूप में विकसित करने वाले भूगोलवेत्ता थे—वेरेनियस, कांट, हम्बोल्ट और रिटर।

3. **आधुनिक काल**—19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध को आधुनिक भूगोल का काल माना गया है। आधुनिक काल के प्रमुख संस्थापक रिटर और हम्बोल्ट रहे हैं। जबकि शास्त्रीय भूगोलविदों द्वारा रखी गई नींव पर आधुनिक भूगोल ढाँचे का निर्माण करने वाले पहले आधुनिक भूगोलवेत्ता रैटजेल थे। भूगोल की अध्ययन विधि समय के साथ परिवर्तित हुई। प्रारंभिक भूगोलवेत्ता वर्णनात्मक थे और आधुनिक काल में भूगोल विश्लेषणात्मक भूगोल के रूप में विकसित हुआ।

4. **अत्याधुनिक काल**—भूगोल का विकास दूसरे विश्व युद्ध के बाद तीव्रता से हुआ। अमेरिकी और यूरोपीय भूगोलवेत्ताओं ने इस काल में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जैसे—हार्टशोर्न। उनके द्वारा भूगोल को एक विज्ञान के रूप में परिभाषित किया गया, जो कि क्षेत्रीय असमानताओं का अध्ययन करता है। अत्याधुनिक काल के भूगोलवेत्ता क्षेत्रीय उपागम और व्यवस्थित उपागम को एक-दूसरे के विरोधी उपागम की अपेक्षा एक-दूसरे का पूरक उपागम मानते हैं।

**प्रश्न 5. भौतिक भूगोल और मानव भूगोल शब्दों को परिभाषित करें।**

**उत्तर**—भौतिक भूगोल और मानव भूगोल व्यवस्थित भूगोल दृष्टिकोण की दो प्रमुख शाखाएं हैं। भौतिक भूगोल मुख्य रूप से वायुमंडल, जलमंडल, स्थलमंडल और जीवमंडल जैसी विभिन्न पृथ्वी प्रणालियों से जुड़ा हुआ है। इसमें संपूर्ण पृथ्वी का पर्यावरण और जीव संबंधित हैं। भौतिक भूगोल की प्रमुख उपशाखाओं में शामिल किया गया है—खगोल विज्ञान, भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान, जल विज्ञान, जल संसाधन और मृदा भूगोल। भौतिक भूगोल में पृथ्वी के भौतिक स्वरूप का अध्ययन किया जाता है। भौतिक भूगोल में इसकी उप-शाखाओं का अध्ययन उसी सीमा तक किया जाता है। जहां तक उनका संबंध भौतिक वातावरण और मानव से होता है। भौतिक भूगोल प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों प्रकार की वैश्विक संरचनाओं और घटनाओं की जाँच करता है।

**मानव भूगोल**—मानवीय रचनाओं की घटनाओं का वर्णन करता है। मानव भूगोल विभिन्न पहलुओं की गतिशीलता का वर्णन करता है, जो कि मानव से संबंधित है, जैसे—जनसंख्या एवं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलू। यह मनुष्यों के स्थानीय ढाँचों, स्थानों पर मानवीय गतिविधियों से संबंधित है। मानव भूगोल, भूगोल की वह शाखा है, जो मानव समुदायों, संस्कृतियों अर्थव्यवस्थाओं और पर्यावरण के साथ उनकी अंतःक्रिया के